Sickle Cell Eradication - 2047

There are about 1.5 crore people in the tribal community in Madhya Pradesh. Tribal-dominated communities have a high incidence of sickle cell anemia, which is a serious health concern in these areas. Genetic counseling and community-level screening are crucial for managing patients and preventing the hereditary spread of the disease. The State Haemoglobinopathy Mission was established to provide a concrete approach to the prevention and treatment of sickle cell anemia. On November 15, 2021, the Honorable Prime Minister launched a pilot project for sickle cell screening in the districts of Alirajpur and Jhabua in honor of Janjatiyan Gaurav Diwas. Under the pilot initiative, a total of 9.17 lakh people has been tested.

In the second phase, the Sickle Cell Eradication Mission – 2047 was launched by the Hon'ble Prime Minister at the national level on July 1, 2023, from Shahdol district of Madhya Pradesh, covering about 1.11 crore people in 89 development blocks of tribal-dominated districts, as well as in 17 states across the country. On World Sickle Cell Day, a state-level program was organized in Dindori district on June 19, 2024, in the dignified presence of Hon'ble Vice President Shri Jagdeep Dhankhar. In this second phase, a total of 71.27 lakh population screenings have been conducted so far, identifying 1,49,305 sickle carriers and 22,666 sickle patients.

To strengthen the testing and treatment facilities for sickle cell patients, arrangements have been made for confirmatory testing by HPLC machines in each district hospital. Additionally, tests such as CBC, total iron, serum ferritin, etc., are being provided free of cost. Special Counseling Card for Identification and Genetic Counseling of Sickle Cell Patients started as well. Genetic counseling cards are being distributed to all screened sickle cell patients to prevent the spread of the sickle cell genetic blood disorder. A total of 46.04 lakh genetic cards have been distributed so far.

Sickle cell patients found positive in confirmatory investigations are being counseled and treated at Integrated Treatment Centers run at the district level. All patients are provided with hydroxyurea, folic acid medicines, and free blood transfusions as needed. A mobile app and a National Sickle Cell Portal have been developed for reporting and tracking data related to sickle cell screening. Sickle cell anemia is being managed by obtaining rapid test results at the screening site through confirmatory testing using POC Kits (Point of Care Kits). The availability of POC Kits at the institutional level has been ensured through contracted rates with the state. All pregnant women and newborns are being examined for sickle cell anemia using the POC kit.

For special investigations in newborns within 72 hours of birth, a lab has been set up at AIIMS Bhopal, and testing samples are sent from tribal-dominated districts to this lab. Training and technical support for screening and management of sickle cell anemia are being provided by ICMR–NIRTH, Jabalpur. Training has been conducted for field workers, as well as managerial and medical staff posted in all 89 tribal-dominated development blocks of the state. In collaboration with Sankalp India, prenatal diagnosis of pregnant women is being performed to prevent the spread of sickle cell disease to the next generation.

A treatment and follow-up booklet has been developed to guarantee the availability of medication, treatment, and comprehensive management for sickle cell patients identified during screening. It also aims to provide ongoing monitoring to ensure that sickle cell patients receive regular treatment and management, including consistent doctor reviews.

Department of Posts is proud to release a commemorative postage stamp on Sickle Cell Eradiction-2047 to promote awareness and education about this serious disease.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Sh. Suresh Kumar
Text	:	Referenced from content provided by the proponent

भारतीय डाक
India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

डाक विभाग
Department of Posts

विवरणिका
BROCHURE

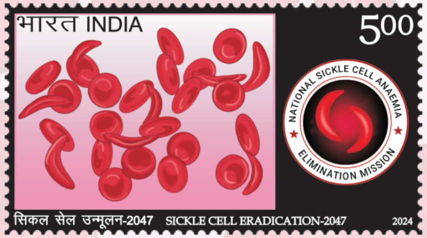

सिकल सेल उन्मूलन-2047
SICKLE CELL ERADICATION-2047

सिकल सेल उन्मूलन - 2047

मध्य प्रदेश में निवास करने वाले जनजातीय समुदाय की संख्या लगभग 1.5 करोड़ है। इन आदिवासी समुदायों के लोग व्यापक रूप से सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित हैं। इन क्षेत्रों में यह बीमारी एक गंभीर स्वास्थ्य संबंधी समस्या बन चुकी है। रोगियों के प्रबंधन और इस बीमारी के वंशानुगत रूप से प्रसार को रोकने के लिए आनुवंशिक परामर्श और समुदाय स्तर पर स्क्रीनिंग करना अत्यंत आवश्यक है। सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम एवं उसके उपचार के संबंध में ठोस उपाय करने के लिए 'राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन' की स्थापना की गई। 15 नवम्बर, 2021 को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने अलीराजपुर एवं झाबुआ जिलों में सिकल सेल स्क्रीनिंग हेतु पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। इस प्रायोगिक पहल के अंतर्गत कुल 9.17 लाख लोगों की जांच की गयी।

दूसरे चरण में, माननीय प्रधानमंत्री ने 1 जुलाई, 2023 को मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से राष्ट्र स्तरीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन–2047 का शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत आदिवासी बहुल जिलों के 89 विकास खंडों के लगभग 1.11 करोड़ लोगों सहित देशभर के 17 राज्यों को कवर किया गया है। 19 जून, 2024 को विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर माननीय उप–राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ की गरिमामयी उपस्थिति में डिंडोरी जिले में एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। दूसरे चरण के अंतर्गत, अब तक कुल 71.27 लाख लोगों की जांच की गई है, जिसमें से 1,49,305 सिकल वाहक और 22,666 सिकल रोगी पाए गए।

सिकल सेल रोगियों के लिए जांच और उपचार सुविधाओं की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक जिला अस्पताल में एचपीएलसी मशीनों द्वारा 'पुष्टिकरण जांच' की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, सीबीसी, 'टोटल आयरन', सीरम फेरिटिन आदि की जांच निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। सिकल सेल रोगियों को चिह्नित करने और उनको 'आनुवंशिक परामर्श' प्रदान के लिए विशेष परामर्श कार्ड की सुविधा शुरू की गई है। सिकल सेल के आनुवंशिक रक्त विकार के प्रसार को रोकने के लिए सभी चिह्नित सिकल सेल रोगियों को सिकल सेल 'आनुवंशिक परामर्श कार्ड' वितरित किए जा रहे हैं। अब तक कुल 46.04 लाख 'आनुवंशिक परामर्श कार्ड' वितरित किए जा चुके हैं।

पुष्टिकरण जांच में पॉजिटिव पाए गए सिकल सेल मरीजों को जिला स्तर पर संचालित किए जा रहे एकीकृत उपचार केंद्रों में परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जाता है। सभी रोगियों को हाइड्रोक्सीयूरिया, फोलिक एसिड की दवाइयां दी जा रही हैं और आवश्यकतानुसार निःशुल्क रक्त चढ़ाया (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) जा रहा है। सिकल सेल जांच से संबंधित आंकड़ों की रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग के लिए एक मोबाइल एप एवं राष्ट्रीय सिकल सेल पोर्टल विकसित किया गया है। सिकल सेल एनीमिया के प्रबंधन के लिए पीओसी किट्स (प्वाइंट ऑफ केयर किट्स) की मदद से 'पुष्टिकरण जांच' कर जांच स्थल पर ही त्वरित रूप से जांच परिणाम प्राप्त किए जा रहे हैं। पीओसी किट की उपलब्धता, संस्थागत स्तर पर सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए राज्य के साथ अनुबंधित दरें तय की गई हैं। पीओसी किट का प्रयोग कर सभी गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं में सिकल सेल एनीमिया की जांच की जा रही है।

जन्म के 72 घंटे के भीतर नवजात शिशुओं की विशेष जांच हेतु एम्स, भोपाल में एक लैब स्थापित की गई है। इसके लिए आदिवासी बहुल जिलों से जांच के नमूने इस लैब में भेजे जाते हैं। इसके अतिरिक्त आईसीएमआर–एनआईआरटीएच जबलपुर द्वारा सिकल सेल एनीमिया की जांच और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। राज्य के सभी 89 आदिवासी बहुल विकास खंडों में पदस्थ फील्ड कार्यकर्ताओं के साथ–साथ प्रबंधकीय स्टाफ और चिकित्सा कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। 'संकल्प इंडिया' के सहयोग से, गर्भवती महिलाओं की प्रसव–पूर्व जांच की जा रही है, ताकि सिकल सेल रोग को अगली पीढ़ी तक फैलने से रोका जा सके।

स्क्रीनिंग के दौरान चिह्नित किए गए सिकल सेल रोगियों के लिए दवा और उपचार की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा अन्य प्रबंधन कार्यों के लिए 'उपचार एवं फॉलो–अप बुकलेट' तैयार की गई है। इसका एक उद्देश्य यह भी है कि सिकल सेल रोगियों की निरंतर मॉनीटरिंग की जाए और उन्हें चिकित्सकों से नियमित परामर्श सहित उपचार की सुविधा प्रदान की जाए तथा समुचित प्रबंधन सुनिश्चित हो सके।

डाक विभाग, इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूता को बढ़ावा देने के लिए सिकल सेल उन्मूलन–2047 पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए गौरव का अनुभव करता है।

आभार :

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण कैशे	: श्री सुरेश कुमार
पाठ	: प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री से संदर्भित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रितडाक–टिकटें	: 2,02,800
Stamps Printed	: 2,02,800
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00